केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 340 सोमवार 6 जुलाई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## शक्ति केन्द्र मजबूत होगा तो बंगाल जैसी जीत

**लखनऊ (आभा)।** लखनऊ में प्रेरणास्थल पर अयोजित शक्तिकेंद्र संयोजकों के सम्मेलन में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के सामने सीएम योगी ने संयोजकों में जोश भरा। सीएम योगी ने 2027 चुनाव की जीत के लिए मंत्र दिए। चुनाव का केंद्र बूथ है। अगर बूथ मजबूत होगा तो चुनाव हमारे पाले में आएगा ही आएगा। मतदाताओं से यहीं से सीधे संवाद होता है। जब शक्ति केंद्र मजबूत होगा तो बंगाल जैसी जीत मिलने में कोई कठिनाई नहीं होगी। जिस बंगाल को घुसपैठ का अड्डा बना दिया गया था, अराजकता थी और भाजपा के तमाम कार्यकर्ता ने बलिदान दिया। वहां मिली जीत बताती है कि हमारा शक्ति केंद्र मजबूत है।योगी ने कहा कि बंगाल में आज अगर हिंदू सुरक्षित है तो उसका श्रेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जाता है। कश्मीर में अगर अनुच्छेद 370 समाप्त हुई तो उसकी प्रेरणा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में जितनी भी कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं, उसकी प्रेरणा अंत्योदय के प्रवर्तक दीन दयाल उपाध्याय से मिली। सुशासन की प्रेरणा, भ्रष्टाचार के बिना शासन चलाना, और राजनीतिक स्थिरता की प्रेरणा अटल बिहारी वाजपेयी हैं।

## चंदा चोरी से मेरा कोई लेना देना नहीं-कोषाध्यक्ष



संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की चोरी को लेकर मचे भारी बवाल के बीच अब श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने अपनी खामोशी तोड़ी है। उन्होंने इस पूरे मामले पर दो पन्नों का एक विस्तृत बयान जारी किया है। गोविंद देव गिरि ने साफ कहा है कि मंदिर के दान पात्र से निकलने वाले चढ़ावे की गिनती में उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। उन्होंने इस कथित घोटाले को 'अकल्पनीय' बताते हुए मामले की निष्पक्ष और पूरी जांच कराने की मांग की है।

गोविंद देव गिरि ने अपने बयान में कहा कि राम मंदिर में दान की हेराफेरी की खबरों ने दुनियाभर के राम भक्तों की आस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। जो खबरें सामने आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि यह चोरी पिछले काफी समय से चल रही थी, जो कि बेहद दुखद और दर्दनाक है।

राम भक्तों को संबोधित करते हुए उन्होंने भावुक लहजे में कहा कि उन्होंने कभी भी ट्रस्ट में किसी पद या कोषाध्यक्ष बनने के लिए पैरवी नहीं की थी। प्रभु राम की सेवा करना ही उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है। अपनी भूमिका को लेकर सफाई देते हुए कोषाध्यक्ष ने कहा कि वे हर एक–डेढ़ महीने में ट्रस्ट के काम से जाते हैं।

## मनीष चौरसिया के घर बैजलपुर पहुंचा सपा प्रतिनिधि मण्डल
## दुःखी परिजनों को दिलाया न्याय दिलाने का भरोसा

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के बैजलपुर में युवक मनीष चौरसिया की कथित पुलिसिया पिटाई से मौत मामले को लेकर रविवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मण्डल सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के नेतृत्व में बैजलपुर पहुंचा और पीड़ित परिवार से मिलकर न्याय दिलाने का ढाढंस बधाया। सपा नेताओं ने दुःखी परिवार को 50 हजार रूपये का आर्थिक सहयोग किया।

सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि यदि पुलिस ने विवेक का परिचय दिया होता तो मनीष चौरसिया जिन्दा होता। कहा कि भाजपा की सरकार में पुलिस निरंकुश होती जा रही है और थाने पर गरीबों की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होने कहा कि प्रशासन मनीष चौरसिया की कथित पुलिसिया पिटाई से मौत मामले की उच्च स्तरीय जांच कराये और दोषियों को कड़ा दण्ड दिलाया जाय।

मनीष चौरसिया के परिजनों ने प्रतिनिधि मण्डल को बताया कि डॉयल 112 पुलिस के मारने से मनीष घायल हो गया। घायल होने के बाद पुलिस तुरन्त फरार हो गई। वे लोग एम्बुलेंस बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कलवारी ले गये जहां से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से कैली अस्पताल के लिए रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान मनीष चौरसिया की मौत हो गई।

### -भाजपा सरकार में निरंकुश हो गई है पुलिस- महेन्द्रनाथ यादव
### -पीड़ित परिवार को दिया 50 हजार रूपये का आर्थिक सहयोग

सपा के प्रतिनिधि मण्डल में विधायक राजेन्द्र चौधरी, कवीन्द्र चौधरी 'अतुल', जिला महासचिव मो स्वालेह, महादेवा विधानसभाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी,जिला उपाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह,प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष श्याम नारायण शुक्ल कक्कू ,पूर्व जिला कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चौरसिया पूर्व प्रधान महेंद्र यादव, सुभाष यादव एवं अन्य वरिष्ठ समाजवादी पार्टी नेता, पदाधिकारी शामिल रहे। प्रतिनिधि मण्डल ने यथासंभव आर्थिक सहयोग प्रदान करते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। कहा कि पूरी समाजवादी पार्टी मजबूती के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

## आम आदमी पार्टी की बैठक में संगठन के मजबूती पर जोर

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

### -भाजपा से ऊबी जनता लायेगी बदलाव- डा. राम सुभाष वर्मा

बस्ती। आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा और रूधौली विधानसभाध्यक्ष अनिल चौधरी के संयोजन में परसालालशाही हर घर संपर्क अभियान के तहत रविवार को बैठक का आयोजन हुआ। जिलाध्यक्ष ने हर घर संपर्क अभियान के बारे में बताया। बताया पांच विधानसभा क्षेत्रों में बूथ गठन कर पार्टी को मजबूत किया जा रहा है।

आप जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से ऊब चुकी है। बढती मंहगाई, श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी, पेपर लीक सहित अनेक मामलों के चलते जनता का भरोसा अब भाजपा से उठ चुका है और जनता आम आदमी पार्टी की ओर गंभीरता से देख रही है। उन्होने बूथवार सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया।

रूधौली विधानसभाध्यक्ष अनिल चौधरी ने बैठक में बताया कि विधानसभा क्षेत्र में सम्पर्क अभियान जारी है। लोग पार्टी के साथ तेजी से जुड़ रहे हैं।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद चौधरी, विधानसभा उपाध्यक्ष गोविंद कुमार चौधरी, अशोक कुमार यादव ,एजाज अहमद ,अंकुर चौरसिया , ध्रुव चंद चौधरी, आर.सी. ऑन शेख ,अंशु यादव, सिद्धार्थ चौधरी, मुंशी ,एजाज अहमद, कृष्ण शंकर, विष्णु,राम सजीवन,गौतम रामपाल आदि उपस्थित रहे।

## लक्ष्मण निषाद के घर पहुंचा कांग्रेस का प्रतिनिधि मण्डल
## पीड़ित परिवार को दिलाया न्याय दिलाने का भरोसा

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**



बस्ती। लालगंज थानाक्षेत्र के मेहनौना गांव में भूमि विवाद के चलते हुई लक्ष्मण निषाद की हत्या के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवालों के बाद प्रथम दृष्टया घोर लापरवाही बरतने और समय पर उचित कदम न उठाने के आरोप में चौकी प्रभारी रखौना सब–इंस्पेक्टर बृजमोहन सिंह व आरक्षी बीट पुलिस अधिकारी अमरजीत यादव के निलम्बन के बावजूद आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमण्डल ने फरेन्दा विधानसभा से विधायक वीरेन्द्र चौधरी, आलोक प्रसाद प्रदेश उपाध्यक्ष, देवेन्द्र निषाद, कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बृजेश आर्य आदि ने पीडित परिवार से मिलकर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देते हुए न्याय दिलाने का भरोसा दिया। कहा कि इस कठिन समय में पूरा समाज पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि स्थानीय पुलिस ने शिकायतों को गंभीरता से लिया होता और समय रहते एहतियाती कदम उठाए होते, तो इस जघन्य हत्याकांड को टाला जा सकता था। दुर्भाग्य से समूचे उत्तर प्रदेश के अनेक जनपदों में गरीबों, मजलूमों, अल्पसंख्यकों पर कहर ढाया जा रहा है। उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बृजेश आर्य ने प्रतिनिधिमण्डल को घटनाक्रम के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि यदि प्रशासन सक्रिय होता तो लक्ष्मण निषाद को बचाया जा सकता था। अब हत्या हो जाने के बाद पुलिस उस पर लीपापोती कर रही है और सत्तारूढ भाजपा के लोग चुप्पी साधे हुये हैं। पीड़ित परिवार को कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल ने आर्थिक सहयोग भी दिया।

मेहनौना गांव में लक्ष्मण निषाद के घर पहुंचकर ढांढस बधाने वालों में मुख्य रूप से अनिल भारती, कौशल त्रिपाठी, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, लबोनी सिंह, डा. आलोक वर्मा, राजबहादुर निषाद, डा. शीला शर्मा, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, मोहम्मद रफीक खान, कर्नल ए.के. सिंह, अलीम अख्तर, अमर बहादुर शुक्ला, गंगा मिश्र, सर्वेश शुक्ला, शोभित चौधरी, पंकज राव, राम पुराण चौधरी, मनीष दुबे, संजय कुमार, मुकेश, महेश कुमार, संजय चौधरी, पप्पू चौधरी, रमेश चौधरी, अमरेश पटेल, अमित चौरसिया, सुनील कुमार, शौकत अली 'नन्हू' शिवविभूति मिश्र, नीलम विश्वकर्मा, अवधेश सिंह, मंजू पाण्डेय, अनूप पाठक, राम सिंह के साथ ही कांग्रेस कें अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

## एक नजर

### खेत जोतने के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, लहराया असलहा, चार घायल

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। छावनी थानाक्षेत्र के चरथी कथिक गांव में खेत जोतने के विवाद में असलहा दिखाने का मामला सामने आया है। इस पर दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। यह घटना रविवार को दोपहर की है। मारपीट के दौरान असलहा लेकर चलने का वीडियो भी वायरल हो रहा है। छावनी थानाक्षेत्र के चरथी कथिक गांव में बैनामा लिए गये खेत की एक पक्ष जोताई कर रहा था, जिस पर बैनामेदार के परिवार ने आपत्ति जताया। बताया जा रहा कि विवाद बढ़ने पर युवक ने असलहा दिखाकर धमकाया, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया। घटना में असलहा दिखाने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। घटना की सूचना पाकर मौके पर छावनी पुलिस पहुंची। सीओ हर्रैया स्वर्णिमा सिंह ने मौके पर जाकर लोगों से पूछताछ किया। गांव में पुलिस बल तैनात है। चरथी कथिक गांव में हुई मारपीट के दौरान एक पक्ष के दुर्गेश शर्मा, मोहित शर्मा पुत्रगण अशोक शर्मा निवासीगण पहितिया उर्फ पूरे नदई थाना छावनी, दूसरे पक्ष के सर्वेश शर्मा उनके पिता राम अधार शर्मा निवासीगण चरथी कथिक घायल हो गये। सर्वेश शर्मा को इलाज के लिए दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। छावनी पुलिस ने बताया कि पूछताछ से पता चला कि बैनामे की जमीन को बैनामेदार अशोक शर्मा तीन साल से जोत बो रहे थे। उसी खेत को जोतने रविवार को ट्रैक्टर लेकर पहुंचे थे, जिसके बाद बैनामा करने वाले परिवार के लोग उनको रोकने पहुंच गए। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के लोगों की संख्या बढ़ने लगी। चर्चा है कि इसी दौरान एक पक्ष के युवक ने मनबढ़ई दिखाते हुए असलहा दिखाकर धमकाया, जिसके बाद दोनों पक्षों में लाठी डंडे से जमकर मारपीट हुई। घटना के बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंच गई। थाना प्रभारी राणा डीपी सिंह ने बताया कि बैनामे की जमीन को जोतने को लेकर विवाद का मामला है। मारपीट में चार लोगों का मेडिकल कराया जा रहा है।

## अनुराग लक्ष्य के स्थापना दिवस पर साहित्यिक पत्रिकाओं, पत्रकारिता के बदलते जीवन मूल्यों पर विमर्श




### —कठिन दौर में भी सच को उजागर कर रहे हैं पत्रकार

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। पत्रकारिता कठिन दौर से गुजर रही है फिर भी पत्रकार सच को उजागर करने में लगा हुआ है जिसका जीता जागता उदाहरण राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का है जिसको पत्रकारों ने प्रमुख से प्रचारित और प्रसारित किया।

यह विचार अनुराग लक्ष्य के 31वें स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रेस क्लब सभागार में रविवार को आयोजित समारोह में व्यक्त करते हुए रूधौली के विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कहा कि चाहे धूप हो या बरसात पत्रकार हौसले के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है। दुर्भाग्य है इस देश का जिसके नाम पर सत्ता मिली उसी के नाम पर चढ़ावे के धन पर कुछ लोग लगे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह परिवर्तन का युग है और समय के साथ–साथ सबको चलना होगा।

वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश चन्द्र गुप्ता, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, जयंत मिश्र ने कहा कि वर्तमान समय में देश के अन्दर पत्र–पत्रिकाएं बन्द हो रही है ऐसे में प्रकाशन की निरन्तरता को बनाये रखना बहुत ही दुरूह कार्य है। वरिष्ठ पत्रकार डा0 सत्यव्रत, के0डी0 मिश्रा और पूर्व सहायक सूचना निदेशक दशरथ प्रसाद यादव, रामकृपाल राय, त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने कहा कि पत्रकार और साहित्यकार एक दूसरे के पूरक हैं। पहले अधिकांश साहित्यकार ही पत्रकार हुआ करते थे। आधुनिकता की चकाचौंध में प्रिन्ट मीडिया मुश्किलों के दौर गुजर रही है फिर भी अखबार और पत्रिकाएं छप रही हैं यह एशियाई देशों में ही संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा0 रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की धरती से साहित्य का सन्देश पूरी दुनिया को जा रहा है, जहां से आज भी कई पत्र–पत्रिकाएं प्रकाशित हो रही हैं।

वरिष्ठ चिकित्सक डा0 अश्वनी सिंह एवं डा0 वी0के0 वर्मा, महेन्द्र तिवारी, अमित सिंह ने कहा कि समाचार पत्र समाज का आईना है और कविताएं यथार्थ का चित्रण करती हैं। मनुष्य के जीवन में आने वाली समस्याओं से निपटने का रास्ता बताती हैं। आजादी के बाद से आज तक साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने समाज के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

अंत में कवि सम्मेलन में गोरखपुर से आये कवि रामकृपाल राय ने मां पर कविता–''हर पल रहता हूँ तेरे साये, मेरा जीवन माँ तेरे आँचल में, सुख का दीपक जो पल में बुझ जाए, दुख का बादल जो मुझ पर छा जाए'' सुनाकर श्रोताओं को सोचने पर विवश कर दिया। उस्ताद शायर ताजीर बस्तवी ने–''मवेशियों के गले में जो डाल दी रस्सी, मगर ये आदमी खुद बेलगाम चलता है'' सुनाकर समाज का यथार्थ चित्रण किया। मुंबई से आये शायर सलीम बस्तवी ने–''तीस वर्षों का सुहाना सफर और अनुराग लक्ष्य अभी तो आसमां के पार जाना है तुम्हें एक दिन'' पढ़कर कार्यक्रम को नई ऊँचाई दी। कवियित्री प्रतिभा गुप्ता ने–''दुर्भावना जो स्वार्थ की मदिरा पीए जो पथ पर पड़ी उसको जगा कर मोल जीवन का बताना चाहती हूँ'' पढ़कर श्रोताओं को भाव–विभोर कर दिया। डा0 अमिताभ पाण्डेय ने–''बिन मौसम बरसात कहाँ अच्छी लगती, बिन ख्वाबों की रात कहाँ अच्छी लगती है'' की कविता ने श्रोताओं की वाह–वाही लूटी।

इसके पूर्व विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी को शील्ड, प्रमाण पत्र एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विनोद उपाध्याय ने किया।

**कार्यक्रम में सम्मानित किए गये कवि एवं साहित्यकार–**

वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार रामकृपाल राय, रामकृष्ण लाल 'जगमग', प्रतिभा गुप्ता, अमिताभ पाण्डेय, डा0 दशरथ प्रसाद यादव, अर्चना श्रीवास्तव, संध्या दीक्षित, अर्चना श्रीवास्तव, सुशील सिंह, राजेन्द्र सिंह राही, अफजल हुसैन, हरीश दरवेश, ताज़ीर बस्तवी, सलीम बस्तवी 'अजीजी', दीपक सिंह 'प्रेमी', डा0 अश्वनी सिंह, डा0 वी0के0 वर्मा, डा0 राहुल सिंह, मुस्लिमा खातून, प्रकाश चन्द्र गुप्ता, सागर गोरखपुरी, अजीत श्रीवास्तव 'राज' को सम्मानित किया गया।

**कार्यक्रम में सम्मानित किए गये पत्रकार–**

वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, राकेश तिवारी, राजेन्द्र उपाध्याय, सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, डा0 अजय किशोर श्रीवास्तव, पुनीत ओझा, वशिष्ठ पाण्डेय, लवकुश सिंह, सुनील मिश्रा, जितेन्द्र कुमार पाठक, कालिन्दी तिवारी, अनुराग श्रीवास्तव, अमरमणि पाण्डेय, संदीप गोयल, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, संदीप शुक्ला, महेन्द्र कुमार उपाध्याय, राकेश वर्मा, रवि कुमार पाण्डेय, काजी मुनीर अहमद, सलीम बस्तवी, रियाज अहमद, राजेश कुमार पाण्डेय, वसीम अकरम, शक्ति शरण उपाध्याय, बृहस्पति कुमार पाण्डेय, आशुतोष प्रताप यदुवंशी, मकील अहमद, संजय शर्मा, बद्री प्रसाद अग्रहरि, रामधीरज सिंह को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार डा0 गोकरन नरायन पाण्डेय, राघवेन्द्र प्रसाद मिश्र, डा0 नवीन सिंह, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, राकेश गिरि, रजनीश त्रिपाठी, राकेश चन्द्र बिन्नू, दिलीप सिंह, सुरेश सिंह गौतम, दिनेश पाण्डेय, आशुतोष नारायण मिश्र, धर्मेन्द्र पाण्डेय, विशाल पाण्डेय, ब्रम्हसेवक पाण्डेय, संजय सिंह, तिलकराम, सुनील सोनी, हरिश्चन्द्र, संतोष श्रीवास्तव, डा0 सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी, राहुल सिंह, श्रीप्रकाश गुप्ता, कपीश, तेज प्रकाश शुक्ला, अश्वनी शुक्ला, विश्राम प्रसाद, चन्द्र भूषण श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश शर्मा, अरूण कुमार, अनिल पाण्डेय, अमर सोनी, शहंशाह आलम, रामसजीवन दूबे, अंकित गुप्ता, महेश तिवारी, राजेन्द्र कुमार, आकाश शुक्ला, साइफन फारूकी, बसंतलाल सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

## बस्ती की आभा सिंह करेंगी किचन से कामयाबी तक होम शेफ्स यूपी के प्रतिभागियों का नेतृत्व

**–भारतीय बस्ती संवाददाता**



बस्ती। देश के होम शेफ्स को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम ''किचन से कामयाबी तक'' एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है। इस मंच के माध्यम से देशभर के प्रतिभागियों को अपने पाक–कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इस अभियान में ''बस्ती जनपद की आभा सिंह'' को ''उत्तर प्रदेश के प्रतिभागियों का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी'' सौंपी गई है।

ज्ञात रहे कि आभा सिंह इससे पूर्व भी एक प्रतिष्ठित कुकिंग ऐप पर ''ऑल इंडिया स्तर के होम शेफ्स को मार्गदर्शन प्रदान कर चुकी हैं'' और उनके अनुभव एवं नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है। आभा सिंह के साथ ''लखनऊ की ऋचा जसवानी'' उत्तर प्रदेश की ''को–ऑर्डिनेटर'' के रूप में कार्य करेंगी।

आभा सिंह ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य घरों में छिपी पाक–कला की प्रतिभाओं को पहचान दिलाना तथा उन्हें आत्मनिर्भरता और सफलता की दिशा में आगे बढ़ाना है। आयोजकों को विश्वास है कि उत्तर प्रदेश की टीम आभा सिंह के नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी और बस्ती जनपद का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेगी।

## अवसर मिला तो विधानसभा चुनाव मैंदान में उतरेंगे अभय प्रताप सिंह

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**



बस्ती। भाजपा कार्यकारिणी सदस्य एवं हिन्दू युवा वाहिनी के वरिष्ठ कार्यकर्ता अभय प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने अपने 24 वर्षों के संगठनात्मक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2002 से वह हिंदू युवा वाहिनी के माध्यम से राष्ट्र, धर्म और समाज की सेवा में निरंतर सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि संगठन में नगर अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष एवं जिला संयोजक जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हुए वाराणसी, मिर्जापुर, चंदौली और बस्ती सहित कई जनपदों में संगठन के विस्तार और हिंदुत्व के प्रचार–प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में बस्ती में परमपूज्य महाराज योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में विशाल हिंदू चेतना रैली एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 35 हजार लोगों ने भाग लिया।

जिला अध्यक्ष के रूप में अभय प्रताप सिंह ने बस्ती के सभी 14 विकास खंडों, नगर के 25 वार्डों तथा तहसील से लेकर न्याय पंचायत स्तर तक संगठन का विस्तार कर मजबूत संगठनात्मक ढांचा तैयार किया। साथ ही गौरीदत्त धर्मशाला में महाराज जी की उपस्थिति में भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन का सफल आयोजन भी कराया।

उन्होंने सामाजिक समरसता को संगठन की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि हरिजन बस्तियों में नियमित समरसता भोज का आयोजन किया गया तथा छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया गया। उनके कार्यकाल में शुरू हुआ फलाहार कार्यक्रम आज बस्ती की पहचान बन चुका है और पूरे उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है।

अभय प्रताप सिंह ने कहा कि 24 वर्षों के संगठनात्मक जीवन में उन्होंने सदैव बेदाग, समर्पित एवं कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया है। समाज के सभी वर्गों का उन्हें सम्मान और विश्वास प्राप्त हुआ है।

उन्होंने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की इच्छा भी व्यक्त की। उनका कहना है कि यदि पार्टी नेतृत्व उन्हें अवसर देता है, तो वह संगठन की नीतियों और जनसेवा के अपने अनुभव के बल पर क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का निर्णय उनके लिए सर्वोपरि होगा और वह सदैव संगठन के अनुशासित कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते रहेंगे।

*“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 जुलाई 2026 सोमवार

## सम्पादकीय

# इथेनॉल से उठे मुद्दे

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स–फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई–85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल,ये वाहन ई–85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई–100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई–20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई–85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे–बगाहे पैदा होने वाले भू–राजनीतिक संकटों ने बार–बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स–फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं।

निश्चय ही वाहनों में इथेनॉल को बढ़ावा देना देश में आयातित कच्चे तेल के दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लेकिन इस बदलाव को सिरे चढ़ाने के लिए बहुत सोच–समझकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे लोगों की आशंकाएं दूर हो सकें। जरूरत लोगों का भरोसा हासिल करने की है। भारत में इथेनॉल मिले तेल के उपयोग ने इससे होने वाले तमाम फायदों को साबित किया है। इससे काफी विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। साथ ही देश में इथेनॉल का सशक्त उद्योग विकसित हुआ है। यदि बाजार में इथेनॉल पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और इसकी मांग बढ़ती है तो इससे किसानों को कमाई के नये अवसर मिल सकते हैं। इथेनॉल की ज्यादा मांग होने पर गन्ने और मक्का का बाजार विस्तार लेगा। वहीं दूसरी ओर ई–85 की कीमत पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले कम रखने के फैसले से, उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जिनके पास इसके अनुकूल गाड़ियां है। भले ही इस फ्यूल की ईंधन दक्षता कम हो, लेकिन यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को संबल देगा। बहरहाल, इस उम्मीद के साथ ही, हमें हकीकत का भी ध्यान रखना है। दरअसल, ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियों ने इंजन की क्षमता, जंग लगने, ईंधन सिस्टम पर प्रभाव और इसकी दीर्घकालिक क्षमता को लेकर चिंताएं जतायी हैं। निस्संदेह, इन मुद्दों को सीधे खारिज करने के बजाय इन पर गंभीर रूप से मंथन करना चाहिए। अगर इन मुद्दों का निराकरण नहीं होता है तो भ्रम व संशय की स्थिति बनी रहेगी। जिसे अविलंब दूर करने की भी जरूरत है। इस वैकल्पिक ईंधन की सहज उपलब्धता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर व गाड़ियों को इसके अनुरूप बनाना, वैकल्पिक ईंधन की गुणवत्ता के मानकों का निर्धारण तथा इससे जुड़े तकनीकी प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि बॉयोफ्यूल इतनी जल्दी फॉसिल फ्यूल का विकल्प नहीं बन सकता। इस बाबत पर्याप्त तैयारी, पारदर्शिता और सभी हितधारकों का सहयोग लेना जरूरी है। इस मामले में जल्दबाजी करने से बचा जाना चाहिए। यदि हम सजगता व सतर्कता से आगे बढ़ते हैं तो ई–85 एक सफल मॉडल बन सकता है। अन्यथा हम एक अच्छा मौका चूक सकते हैं।

## अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सरकार से असहमति

देश का संविधान हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति शांतिपूर्ण तरीके से मौखिक, लिखित, कलात्मक और डिजिटल माध्यमों से अपने विचार व्यक्त कर सकता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है और किसी भी देश के चहुंमुखी विकास के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। मगर सवाल है कि क्या सरकार की नीतियों या फैसलों का विरोध करना अपराध की श्रेणी में आता है? इस पर अदालतों की ओर से समय–समय पर स्थिति स्पष्ट की जाती रही है और इसी क्रम में अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि देश के नागरिकों को सरकार का गुलाम नहीं बनाया जा सकता। किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए जिलाबदर करने का आदेश नहीं दिया जा सकता कि वह सरकार के खिलाफ आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों में शामिल है। ऐसा करना निश्चित रूप से उसके मौलिक अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार को प्रभावित करता है।

सहमति और असहमति दो ऐसे पहलू हैं, जिनकी लोकतंत्र को मजबूती देने में अहम भूमिका है। संवैधानिक अधिकारों के लिहाज से देखा जाए, तो अगर कोई व्यक्ति शासन–प्रशासन की नीतियों, व्यवस्था या किसी विचारधारा का विरोध करता है, तो उसे स्वस्थ आलोचना के तौर पर देखा जाना चाहिए।

मगर देश में ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जब इस तरह की आलोचना को साजिश या बगावत बता दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण है कि अगर हर आलोचना या असहमति को अपराध की श्रेणी में रखा जाएगा, तो लोकतंत्र का मूल तत्त्व कैसे जीवित रह पाएगा?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी अपने फैसले में यह सवाल उठाया है कि आम नागरिक सरकार की किसी कार्रवाई या फैसले के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं कर सकते? क्या यह नागरिकों को सरकार का गुलाम बनाने जैसा नहीं है? इसमें दोराय नहीं कि अगर अन्याय के खिलाफ और सुधार की मांग के पक्ष में उठने वाली हर आवाज को दबाने की कोशिश की जाए, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों पर आघात नहीं, तो और क्या होगा।

यह छिपा नहीं है कि हाल के वर्षों में देश के भीतर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को भी साजिश बताया जाने लगा है। फिर चाहे विद्यार्थियों का परीक्षाओं की शुचिता को लेकर आवाज उठाना हो या फिर अपनी मांगों को लेकर कर्मचारियों का सड़क पर उतरना। विपक्षी दलों की ओर से भी यह आरोप लगाया जाता रहा है कि सरकार की नीतियों का विरोध करने पर उनके खिलाफ प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई की जाती है।

अगर कोई व्यक्ति सरकार के निर्णय का विरोध करता है, तो उसके खिलाफ मामला दर्ज करना कितना उचित है, इस पर विचार किया जाना चाहिए। यह याद रखना अत्यंत आवश्यक है कि अगर लोकतंत्र को सही मायने में जिंदा रखना है, तो नागरिकों के तमाम अधिकारों की रक्षा करना सरकार का प्राथमिक कर्तव्य होना चाहिए।

# बीच बहस में ई 20 यानी पेट्रोल इथेनॉल

–नीरज कुमार दूबे–

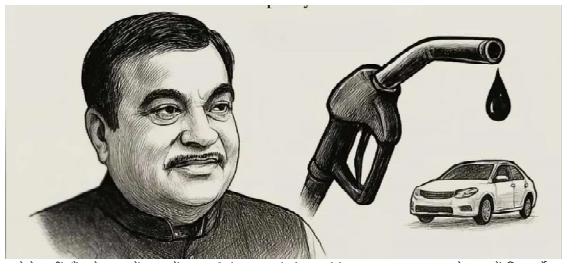



केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पर इन दिनों चौतरफा हमले हो रहे हैं। कभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ई20 पेट्रोल को वाहनों की खराबी का कारण बताया जा रहा है, तो कभी सड़कों पर उतरने की चेतावनी देकर केंद्र सरकार की एथनॉल नीति के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, जो लंबे समय से एथनॉल मिश्रित ईंधन को भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम बताते रहे हैं, अब उसी नीति को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में हैं। हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है। मनीष का दावा है कि उनकी दो महीने पुरानी और लगभग 12 हजार किलोमीटर चली गाड़ी का इंजन अचानक खराब हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्यूल टैंक से निकाले गए पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल और अशुद्धियां मिलीं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह काफी भावुक नजर आए और बोले कि लाखों रुपये खर्च कर खरीदी गई गाड़ी इतनी जल्दी खराब हो जाना गंभीर चिंता का विषय है।

देखा जाये तो मनीष कश्यप अकेले नहीं हैं। देशभर में हजारों वाहन मालिक माइलेज घटने, इंजन परफॉर्मेंस कम होने और वाहनों में तकनीकी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। कई वीडियो में गुलाबी रंग का पेट्रोल, टंकी में पानी जैसी परत और अन्य अशुद्धियां दिखाकर दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा तय सीमा से अधिक है। हालांकि सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय इन दावों को खारिज कर रहे हैं। इस विवाद ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप भी ले लिया है। राजनीतिक विश्लेषक तहसीन पूनावाला ने दिल्ली के जंतर मंतर पर ई20 नीति के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। ष्टीम भारत अगेंस्ट द एथनॉल स्कैमष के बैनर तले प्रस्तावित इस प्रदर्शन को एथनॉल नीति के खिलाफ पहला बड़ा सार्वजनिक आंदोलन बताया जा रहा है। पूनावाला का कहना है कि लोग एथनॉल नीति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसकी जल्दबाजी में की गई क्रियान्वयन प्रक्रिया और उपभोक्ताओं को विकल्प न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली तो कुछ लोग नितिन गडकरी के आवास के बाहर धरने पर बैठ सकते हैं।

देखा जाये तो विवाद केवल वाहन खराबी तक सीमित नहीं है। एक उद्योगपति ने भी सरकार की ई20 नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई का हवाला देते हुए कहा कि सरकार जनता के सामने इस योजना को पूरी तरह सफल बता रही है, लेकिन अदालत में इसे अभी भी ष्वल रहा प्रयोगष बताया गया। हालांकि बाद में अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने इस दावे को गलत बताया। वहीं उक्त उद्योगपति का कहना है कि असली चिंता उन उद्योगों और निवेशकों की है जिन्होंने सरकार की नीति पर भरोसा करके एथनॉल संयंत्रों में अरबों रुपये का निवेश किया। यदि एथनॉल की खरीद और मांग ही निश्चित नहीं है, तो निवेशकों को किस भरोसे निवेश के लिए प्रेरित किया गया।

हम आपको बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश से जुड़ा था, जिसमें एथनॉल आवंटन प्रक्रिया को दोबारा खोलने की बात कही गई थी। इस सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठा कि सरकार द्वारा एथनॉल खरीद की बाध्यता वास्तव में कितनी मजबूत है। आलोचकों का कहना है कि यदि खरीद केवल ष्सर्वश्रेष्ठ प्रयासष के आधार पर होगी तो उद्योगों की वित्तीय स्थिरता पर खतरा पैदा हो सकता है।

सोशल मीडिया पर कई लोगों ने एथनॉल नीति के आर्थिक और कृषि प्रभावों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ई20 कार्यक्रम भारत को विदेशी मक्के और उससे बने उत्पादों पर अधिक निर्भर बना सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी आरोप लगाया है कि यह नीति अब किसान केंद्रित कम और आयात आधारित ढांचे जैसी अधिक दिखाई देने लगी है। उन्होंने सरकार से ई20 की अनिवार्यता पर पुनर्विचार कर ई5 या ई10 जैसे विकल्प फिर से उपलब्ध कराने की मांग की है।

वहीं देशी और विदेशी वाहन निर्माता कंपनियों ने ई20 पेट्रोल को लेकर मिश्रित लेकिन संतुलित रुख अपनाया है। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा, होंडा और किआ जैसी कंपनियों ने कहा है कि अप्रैल 2023 के बाद बने अधिकांश नए वाहन ई20 अनुकूल बनाए जा चुके हैं और उनमें इस ईंधन के इस्तेमाल से कोई बड़ा सुरक्षा खतरा नहीं है। वाहन उद्योग संगठन सियाम ने भी माना है कि ई20 से माइलेज में लगभग 2 से 4 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है, लेकिन इससे स्थायी इंजन क्षति का कोई प्रमाण नहीं मिला है। वहीं महिंद्रा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि ई20 सुरक्षित तो है, लेकिन इससे परफॉर्मेंस और माइलेज पर असर पड़ सकता है। टोयोटा सहित कई कंपनियों ने अपने नए पेट्रोल मॉडलों को ई20 अनुकूल घोषित किया है, जबकि कुछ विशेषज्ञों और कंपनियों ने पुराने वाहनों में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार इस योजना का बचाव कर रही है। सरकार का दावा है कि भारत ने निर्धारित समय से पहले दिसंबर 2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम से देश को 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बचत हुई, किसानों को 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान हुआ और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में भारी कमी आई। सरकार का कहना है कि इससे 310 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का विकल्प तैयार हुआ। सरकार का यह भी कहना है कि वाहन कंपनियों और सियाम के साथ व्यापक चर्चा के बाद ही ई20 लागू किया गया और कई निर्माता वर्ष 2009 से ही ई20 अनुकूल इंजन विकसित कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी माइलेज घटने के दावों को मामूली बताया है। उनका कहना है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन से इंजन की नॉकिंग कम होती है और वाहन की गति क्षमता बेहतर होती है। वहीं नितिन गडकरी ने एथनॉल विरोधी प्रचार को 'पेड कैंपेन' करार दिया है। उनका आरोप है कि पेट्रोलियम लॉबी भारत की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने से परेशान है और इसलिए दुष्प्रचार कर रही है। गडकरी ने यह चुनौती भी दी कि दुनिया में कोई एक उदाहरण दिखाया जाए जहां ई20 पेट्रोल से वाहन स्थायी रूप से खराब हुए हों। बहरहाल, फिलहाल एथनॉल मिश्रित पेट्रोल पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा। एक ओर सरकार इसे किसानों, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए क्रांतिकारी कदम बता रही है, तो दूसरी ओर उपभोक्ता, वाहन मालिक और कुछ उद्योग विशेषज्ञ इसके प्रभावों को लेकर गंभीर चिंता जता रहे हैं। आने वाले समय में यह बहस केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सड़कों, अदालतों और राजनीतिक मंचों तक और तेज होती दिखाई दे सकती है।

–(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# जब रिश्तों से बड़ी हो जाए कमाई...!

– डॉ. प्रियंका सौरभ–

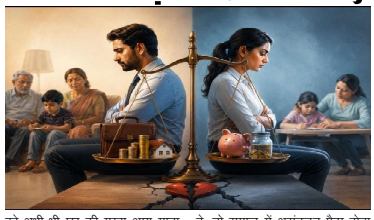



भारतीय समाज में परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, सामंजस्य और पारस्परिक उत्तरदायित्व की एक जीवंत संस्था रहा है। इस संस्था की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि इसमें अधिकार और कर्तव्य दोनों साथ–साथ चलते थे। समय बदला, शिक्षा का विस्तार हुआ, महिलाओं की भागीदारी घर की चौखट से निकलकर शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, न्याय, सेना, विज्ञान और उद्योग तक पहुँची। आर्थिक आत्मनिर्भरता ने महिलाओं को नया आत्मविश्वास दिया, निर्णय लेने की क्षमता दी और उन्हें सामाजिक सम्मान भी दिलाया। यह परिवर्तन न केवल आवश्यक था, बल्कि एक न्यायपूर्ण समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी था।

लेकिन हर सामाजिक परिवर्तन अपने साथ नई चुनौतियाँ भी लेकर आता है। आज जब परिवारों में पति–पत्नी दोनों कमाने लगे हैं, तब आर्थिक साझेदारी के साथ जिम्मेदारियों की साझेदारी का प्रश्न पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दुर्भाग्य से अनेक परिवारों में यह संतुलन बिगड़ता दिखाई देता है। कहीं अधिकारों पर अधिक जोर है तो कहीं कर्तव्यों की उपेक्षा। परिणामस्वरूप रिश्तों में वह सहजता और अपनापन कम होता जा रहा है जो कभी संयुक्त परिवारों की पहचान हुआ करता था।

लंबे समय तक भारतीय समाज में पुरुष को परिवार का आर्थिक आधार माना गया। उसकी कमाई पर पत्नी, बच्चों और माता–पिता का नैतिक अधिकार समझा जाता था। वह अपनी आय को व्यक्तिगत संपत्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार की पूंजी मानकर चलता था। दूसरी ओर, महिलाओं का योगदान घरेलू श्रम, बच्चों के पालन–पोषण और परिवार के संचालन में अधिक दिखाई देता था। आधुनिक समय में परिस्थितियाँ बदली हैं। महिलाएँ भी पुरुषों के समान मेहनत करके आर्थिक योगदान दे रही हैं। ऐसे में स्वाभाविक अपेक्षा यह थी कि आर्थिक जिम्मेदारियाँ भी समान रूप से साझा होंगी। किंतु व्यवहार में कई बार तस्वीर इतनी सरल नहीं होती।

आज अनेक परिवारों में यह अनुभव सुनने को मिलता है कि पति की आय को अभी भी घर की मुख्य आय माना जाता है, जबकि पत्नी की आय को व्यक्तिगत बचत, व्यक्तिगत निवेश या व्यक्तिगत स्वतंत्रता का माध्यम समझा जाता है। यह स्थिति हर परिवार में नहीं है, पर जहाँ है, वहाँ असंतोष का कारण बनती है। यदि घर का हर बड़ा खर्च पति वहन करे, लेकिन पत्नी की आय को पारिवारिक उत्तरदायित्व से अलग रखा जाए, तो बराबरी का सिद्धांत अधूरा रह जाता है। इसी प्रकार यदि पति यह अपेक्षा करे कि पत्नी नौकरी भी करे, घर भी संभाले और आर्थिक निर्णयों में उसकी स्वतंत्रता भी न हो, तो यह भी अन्यायपूर्ण है। समस्या किसी एक पक्ष की नहीं, बल्कि दोहरे मापदंडों की है।

बराबरी का अर्थ केवल समान अधिकार नहीं होता। उसका अर्थ समान उत्तरदायित्व भी होता है। यदि दोनों कमाते हैं तो परिवार की आवश्यकताओं, भविष्य की योजनाओं, बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल और आकस्मिक परिस्थितियों की जिम्मेदारी भी दोनों की होनी चाहिए। आर्थिक साझेदारी का अर्थ केवल आय जोड़ना नहीं, बल्कि विश्वास जोड़ना भी है।

समस्या का दूसरा पहलू मनोवैज्ञानिक है। धन केवल सुविधाएँ नहीं देता, वह आत्मविश्वास भी देता है। लेकिन यही आत्मविश्वास यदि अहंकार में बदल जाए तो रिश्तों में दूरी आने लगती है। कभी–कभी देखा जाता है कि जिसकी आय अधिक होती है, वही निर्णयों पर अपना अधिकार अधिक मानने लगता है। यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी दिखाई देती रही है और आज कुछ महिलाओं में भी देखने को मिलती है। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि आर्थिक अहंकार केवल किसी एक लिंग की समस्या है। धन का अहंकार व्यक्ति को बदलता है, उसका लिंग नहीं।

आज सोशल मीडिया और सार्वजनिक विमर्श में स्त्री–पुरुष संबंधों को अक्सर संघर्ष के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। एक पक्ष अपने अधिकारों की बात करता है तो दूसरा अपने साथ हुए अन्याय की। इस खींचतान में परिवार, संवाद और साझेदारी पीछे छूट जाते हैं। किसी भी विचारधारा का उद्देश्य यदि संतुलन स्थापित करना है तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन यदि किसी भी विचार की व्याख्या अधिकारों तक सीमित होकर कर्तव्यों को गौण कर दे, तो समाज में असंतुलन पैदा होना स्वाभाविक है।

यह भी सच है कि आज लाखों महिलाएँ अपनी पूरी आय परिवार पर खर्च करती हैं। वे नौकरी के साथ–साथ घर, बच्चों और बुजुर्गों की जिम्मेदारियाँ भी निभाती हैं। अनेक परिवार ऐसे भी हैं जहाँ पति–पत्नी बिना किसी हिसाब–किताब के अपनी कमाई को साझा करते हैं और निर्णय भी मिलकर लेते हैं। इसलिए किसी एक वर्ग को दोषी ठहराना न तो उचित है और न ही तथ्यपरक। सामाजिक विश्लेषण का उद्देश्य आरोप लगाना नहीं, बल्कि प्रवृत्तियों को समझना और समाधान तलाशना होना चाहिए।

समस्या तब गंभीर हो जाती है जब पति–पत्नी के बीच आर्थिक पारदर्शिता समाप्त हो जाती है। आय, बचत, निवेश और खर्च यदि अलग–अलग दुनिया बन जाएँ, तो रिश्तों में संदेह जन्म लेने लगता है। आर्थिक गोपनीयता कभी–कभी भावनात्मक दूरी में बदल जाती है। विवाह साझेदारी का संबंध है, व्यापारिक अनुबंध नहीं। इसमें विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है।

आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। आय बढ़ी है, लेकिन संवाद कम हुआ है। स्वतंत्रता बढ़ी है, लेकिन साझेदारी कमजोर हुई है। पहले परिवार सीमित संसाधनों में भी साथ रहते थे क्योंकि निर्णय सामूहिक होते थे। आज संसाधन अधिक हैं, लेकिन कई बार ष्मेराष् और ष्तेराष् की मानसिकता रिश्तों को बाँट देती है। यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्या घरेलू श्रम का मूल्य आर्थिक आय से कम है? यदि पत्नी घर संभालती है और पति बाहर कमाता है, तो क्या केवल कमाने वाला ही परिवार चला रहा है? बिल्कुल नहीं। उसी प्रकार यदि पत्नी भी नौकरी करती है, तो क्या घर की सारी जिम्मेदारी उसी पर छोड़ देना उचित है? इसका उत्तर भी नहीं है। परिवार तभी संतुलित रहेगा जब आर्थिक और घरेलू दोनों प्रकार के श्रम का समान सम्मान होगा।

बच्चों पर भी इस बदलते वातावरण का प्रभाव पड़ रहा है। वे अपने माता–पिता को यदि आर्थिक प्रतिस्पर्धा में उलझा हुआ देखते हैं, तो उनके मन में भी रिश्तों की परिभाषा बदलने लगती है। वे सहयोग से अधिक अधिकारों की भाषा सीखते हैं। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह चिंता का विषय है। परिवार केवल वर्तमान नहीं बनाता, भविष्य भी गढ़ता है।

समाधान क्या है? समाधान किसी एक पक्ष को दोषी ठहराने में नहीं, बल्कि पारिवारिक संवाद को मजबूत बनाने में है। विवाह के बाद पति–पत्नी को आर्थिक अपेक्षाओं, बचत, निवेश, पारिवारिक खर्च और व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। यह तय होना चाहिए कि दोनों अपनी–अपनी क्षमता के अनुसार परिवार में योगदान देंगे। किसी की आय कम या अधिक होना सम्मान का पैमाना नहीं बनना चाहिए।

आर्थिक स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ स्वच्छंदता नहीं, बल्कि उत्तरदायित्वपूर्ण स्वतंत्रता है। स्वतंत्र व्यक्ति वही है जो अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी स्वीकार करता है। यदि कमाई केवल व्यक्तिगत सुविधा का साधन बन जाए और परिवार की सामूहिक आवश्यकताएँ पीछे छूट जाएँ, तो आर्थिक समृद्धि भी रिश्तों को नहीं बचा सकती। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम समानता की नई परिभाषा गढ़ें। ऐसी समानता जिसमें पुरुष अपनी पारंपरिक श्रेष्ठता छोड़कर साझेदारी स्वीकार करे और महिला अपनी आर्थिक स्वतंत्रता के साथ पारिवारिक उत्तरदायित्व को भी समान सम्मान दे। दोनों एक–दूसरे को प्रतिस्पर्धी नहीं, सहयोगी समझें। विवाह किसी की जीत या हार का मंच नहीं, बल्कि जीवन की साझी यात्रा है।

अंततः याद रखना होगा कि धन जीवन को सुविधाजनक बना सकता है, लेकिन सुखी नहीं बना सकता। बैंक बैलेंस सुरक्षा दे सकता है, लेकिन अपनापन नहीं। महँगे घर बनाए जा सकते हैं, पर परिवार नहीं खरीदे जा सकते। रिश्तों की सबसे बड़ी मुद्रा आज भी विश्वास, संवेदनशीलता, त्याग और परस्पर सम्मान ही है।

जब कमाई रिश्तों से बड़ी होने लगती है, तब परिवार धीरे–धीरे आर्थिक इकाई में बदल जाता है। वहाँ प्रेम की जगह हिसाब ले लेता है, साझेदारी की जगह स्वामित्व और संवाद की जगह तर्क। इसलिए समय रहते यह समझना आवश्यक है कि कमाई जीवन का साधन है, उद्देश्य नहीं। यदि धन रिश्तों को मजबूत करे तो वह वरदान है, लेकिन यदि वही रिश्तों के बीच दीवार बन जाए तो उससे बड़ी विडंबना कोई नहीं।

एक स्वस्थ समाज वही होगा जहाँ स्त्री और पुरुष दोनों आर्थिक रूप से सक्षम हों, दोनों स्वतंत्र हों, दोनों सम्मानित हों और दोनों अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समान निष्ठा से निभाएँ। यही सच्ची समानता है, यही सच्ची साझेदारी है और यही भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति भी।

# मानसून की सुस्त चाल और अलनीनो

–ज्ञानेन्द्र रावत–

मानसून की सुस्त चाल से कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जल उपलब्धता पर व्यापक असर पड़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक का भी मानना है कि दक्षिण–पश्चिम मानसून के कमजोर पड़ने से घरेलू आर्थिकी और मुद्रास्फीति के परिदृश्य पर दबाव पड़ेगा। अलनीनो के शुरुआती संकेत मानसून पर दिखाई देने लगे हैं। देखा जाये तो मानसून की रफ्तार धीमी होने की वजह से देश में कुछ समय पहले तक सूखे जैसे हालात का अंदेशा बढ़ने लगा था। अक्सर जून के तीसरे हफ्ते तक देश के बड़े हिस्से को मानसून सामान्यतः कवर कर लेता है। लेकिन पिछले पखवाड़े से इसकी गति ठहरी होने का सीधा–सीधा असर बारिश पर पड़ा है जिसका नतीजा देश के आधे से ज्यादा हिस्से पर सूखे जैसे हालात दिखाई दिए थे। संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन यानी एफएओ ने पहले ही चेतावनी दे दी है कि अलनीनो का भारत सहित एशिया के कई देशों की कृषि और खाद्य सुरक्षा पर व्यापक असर पड़ सकता है। खासकर भारत में धान और मक्का जैसी वर्षा आधारित फसलों के उत्पादन पर खासा असर पड़ सकता है। आशंका है कि अलनीनो के प्रभाव के चलते भारत के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। ऐसे हालात में खेती के लिए जरूरी नमी में कमी आयेगी। यही नहीं इसका असर वैश्विक खाद्य बाजारों और कीमतों पर पड़ेगा।

एफएओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम, फिलीपींस, इंडोनेशिया और तिमोर–लेस्ते जैसे देशों पर इसकी अत्यधिक मार पड़ेगी। इन देशों पर सूखे की मार का खतरा बढ़ सकता है। इससे इन देशों की कृषि पर आधारित लाखों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ जायेगी। स्काईमेट की मानें तो फिलहाल देश के लगभग आधे हिस्से में बारिश की भारी कमी है।

दरअसल, अलनीनो प्रभाव से प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने लगता है। भारत में इसका असर कमजोर मानसून और कम बारिश से जोड़ा जाता है। इतिहास इस बात का सबूत है कि ऐसी स्थिति में भारत में मौसमी बारिश न केवल कम हुई है बल्कि उसकी असमानता भी खतरनाक स्थिति तक बढ़ी है। आमतौर पर मानसून में ब्रेक की यह स्थिति अक्सर जुलाई या अगस्त में दिखाई देती है लेकिन इस बार मानसून की यह सुस्त रफ्तार चिंता का विषय है। इसकी अहम वजह बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में किसी मजबूत मौसम प्रणाली का विकसित न हो पाना है।

दरअसल, बंगाल की खाड़ी में बनने वाले निम्न दबाव वाले क्षेत्र और चक्रवात मानसून को मजबूती देते हैं और उसे दूसरे हिस्सों में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। फिर अरब सागर में लो लेवल जेट भी पर्याप्त रूप से विकसित न हो पाना भी इसकी अहम वजह है। चिंताजनक है कि अलनीनो का सबसे बड़ा असर बारिश की वितरण व्यवस्था पर पड़ता है। असलियत यह है कि कई बार कुल बारिश बहुत कम नहीं होती लेकिन उसका समय और क्षेत्रीय वितरण असंतुलित हो जाने से विभिन्न राज्यों में बुआई, अंकुरण और फसल की शुरुआती बढ़ोतरी पर काफी असर पड़ता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता उन इलाकों को लेकर है कि जहां अब भी खेती बारिश पर ही निर्भर है। फिर देश के लगभग आधे से अधिक कृषि क्षेत्र में सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था ही नहीं है। वहां किसानों की सारी उम्मीद बारिश पर ही टिकी होती है। सच्चाई यह है कि तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में सामान्य से काफी कम बारिश हुई है।

# मगरमच्छ ने महिला को बनाया निवाला लोगों ने जबड़े से छुड़ाई लाश

**संवाददाता—बहराइच।** शादी में शामिल होने के लिए घर से निकली महिला की रविवार सुबह दर्दनाक मौत की खबर से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। महिला का शव सरयू नहर में मगरमच्छ के मुंह में दबा मिला। ग्रामीणों के शोर मचाने पर मगरमच्छ शव छोड़कर पानी में उतर गया। जब शव बाहर निकाला गया तो उसका एक पैर मगरमच्छ खा चुका था और शरीर पर कई गहरे जख्म थे। बिछिया क्षेत्र के ग्राम पंचायत चफरिया के मोहकमपुरवा गांव निवासी केतकी (55) शनिवार शाम पड़ोसी गांव हजारीपुरवा में एक रिश्तेदार के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन रात भर वापस नहीं लौटीं।

रविवार सुबह करीब 9 बजे रमपुरवा गांव के पास ग्रामीणों ने सरयू नहर के 10 नंबर पुल से लगभग 600 मीटर दूर एक मगरमच्छ को महिला का शव मुंह में दबाए देखा। सूचना पर बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनोद वर्मा और ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए शोर मचाकर मगरमच्छ के चंगुल से शव छुड़ाकर बाहर निकाला।

विज्ञापन घटना की जानकारी पर थानाध्यक्ष प्रकाश चंद्र शर्मा ने पुलिस टीम को मौके पर भेजा। लेखपाल अरुण कुमार और ग्राम प्रधान अजीज अहमद की मौजूदगी में शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव घर से करीब तीन किलोमीटर दूर बरामद हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद वन विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। कतर्नियाघाट क्षेत्र में बारिश के बाद मगरमच्छ नदी, तालाब और नहर से निकलकर मैदानी इलाकों में पहुंच रहे हैं। इससे लोगों में दहशत का माहौल है।

केतकी की मौत की खबर मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। शव की हालत देखकर परिवार के लोग बेसुध हो गए। गांव में मातम पसरा है और ग्रामीण वन विभाग से सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

# 20 वर्षीय युवक का शव घर से सौ मीटर की दूरी पर मिला, हत्या की आशंका

**संवाददाता—कुशीनगर।** बरवापट्टी थाना क्षेत्र में 20 वर्षीय युवक का शव उसके घर से सौ मीटर की दूरी पर खेत में पाया गया। युवक की मौत को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं गांव में जारी है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना क्षेत्र के ग्राम सभा रामपुर बरहन के मडुवाडीह टोला निवासी हीरालाल चौहान के 20 वर्षीय लड़के सचिन चौहान का शव उसके घर से सौ मीटर की दूरी पर खेत में रविवार की सुबह देखा गया। जानकारी होते ही घर वाले तथा पूरा टोला खेत में उमड़ पड़ा। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया। टीम मौके से साक्ष्य जुटाकर जिले पर लौट गई। बरवापट्टी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। युवक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था तथा घर पर ही रहता था। युवक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। थानाध्यक्ष बरवापट्टी उपेंद्र कुमार ने बताया कि संदिग्ध परिस्थितियों में हुई इस मौत का कारण पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा। फॉरेंसिक टीम तथा अन्य सूत्रों के जरिए जानकारी जुटाई जा रही है

# हत्या के तीसरे दिन भी नहीं हुआ युवक का दाह संस्कार, मनुहार में जुटे रहे अधिकारी



**संवाददाता—देवरिया।** रास्ते के विवाद में चाकू बाजी मामले में मारे गए राजू विश्वकर्मा का दाह संस्कार तीसरे दिन रविवार तक नहीं हो सका है। परिजन आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने, एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता सहित विभिन्न मांगों को लेकर दाह संस्कार नहीं करने दे रहे हैं। तीन दिन से पुलिस और प्रशासन के लोग परिजनों से दाह संस्कार की मनुहार कर रहे हैं। देवरिया जिले के रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र स्थित हथियागढ़ नौतन गांव में पड़ोसियों ने रास्ते के विवाद में लाठी डंडे और चाकू से हमला बोल दिया था। चाकू बाजी मामले में गांव निवासी राजू विश्वकर्मा 37 वर्ष की मौत हो गई थी। जबकि उसके परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों का इलाज महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। शुक्रवार को ही पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और क्षेत्राधिकार सदर चार थानों की पुलिस फोर्स के साथ मृतक का शव लेकर घर पहुंचे। देर रात परिजनों ने मृतक के बड़े भाई शिव कुमार के विदेश से आने के बाद दाह संस्कार की बात कही। पुलिस और प्रशासन ने भी मृतक के बड़े भाई के आने का इंतजार करने का फैसला किया। शनिवार की सुबह से ही मृतक के घर पर सैकड़ों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने विभिन्न मांगों को लेकर शोर शराबा करना शुरू कर दिया मृतक के परिवार की एक युवती ने माइक लेकर आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने, उनका एनकाउंटर करने, परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता, पत्नी को नौकरी देने की मांग किया। शनिवार की ही देर शाम मृतक का बड़ा भाई विदेश से घर पहुंचा। शव देखकर वह मूर्छित होकर गिर पड़ा। 2 घंटे की इलाज के बाद उसे होश आया। एसडीएम सदर प्रवीण कुमार और क्षेत्राधिकार सदर संजय कुमार रेड्डी ने मृतक के बड़े भाई शिवकुमार को दिलासा देते हुए दाह संस्कार करने की बात कही। उसने हिंदू रीति रिवाज के अनुसार रविवार की सुबह दाह संस्कार करने की हामी भर दी। सुबह को ही एसडीएम सदर, क्षेत्राधिकारी सदर और रामपुर कारखाना, तरकुलवा, महुआडीह और बघौचघाट थाने की फोर्स पहुंच गई। परिजनों ने मांग पूरी होने पर ही दाह संस्कार करने की बात कहते हुए तैयारी शुरू करने से मना कर दिया। हत्या के तीसरे दिन भी दाह संस्कार नहीं हो पाने से पुलिस और प्रशासन की किरकिरी हो रही है। जबकि लगातार 3 दिन से चार थानों की फोर्स के साथ उप जिलाधिकारी और सीओ सदर मौके पर जमे हुए हैं।

# खेत की रखवाली के दौरान युवक की मौत, करंट लगने से हुआ हादसा

**संवाददाता—महराजगंज।** सोनौली कोतवाली क्षेत्र के जगर्नाथपुर टोला, भारिया गांव में रविवार करिब 12 बजे एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। युवक अपने खेत की रखवाली कर रहा था, तभी वह बिजली की चपेट में आ गया। मृतक की पहचान प्रकाश साहनी (पुत्र विक्रम साहनी) के रूप में हुई है।

हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि मृतक के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर सोनौली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीणों के अनुसार, प्रकाश रविवार को अपने खेत में पानी चलाने गया था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि प्रकाश ने करीब पांच एकड़ भूमि में मछली पालन और खेती की व्यवस्था कर रखी थी। खेत की सुरक्षा के लिए चारों ओर कंटीले तार लगाए गए थे। आशंका जताई जा रही है कि मछलियों और फसल की सुरक्षा के उद्देश्य से इन तारों में बिजली प्रवाहित की गई थी। इसी दौरान प्रकाश स्वयं बिजलीयुक्त तार की चपेट में आ गया। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रकाश की असमय मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने उसे मेहनती, मिलनसार और व्यवहार कुशल युवक बताया।

# 'राम मंदिर चंदा चोरी अपराध और पाप', इसमें शामिल कोई दोषी बचेगा नहीं —नरेंद्र कश्यप



**संवाददाता—गोंडा।** प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर दान प्रकरण को लेकर कहा कि यह सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि पाप भी है। उन्होंने कहा कि मामले में कानून अपना काम कर रहा है और दोषी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों को भगवान राम के मुद्दे पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है।

रविवार को एक दिवसीय दौरे पर गोंडा पहुंचे राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने सर्किट हाउस में भाजपा जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने देवीपाटन मंडल के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की मंडलीय समीक्षा बैठक की। मंत्री ने लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के विज्ञान संकाय में बने छात्रावास का भी निरीक्षण किया।

मीडिया से बातचीत में श्रीराम मंदिर दान प्रकरण पर उन्होंने कहा कि यह अपराध के साथ–साथ पाप भी है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच एसआईटी कर रही है, एफआईआर दर्ज हो चुकी है और आठ लोगों को जेल भेजा जा चुका है। योगी सरकार में कानून से ऊपर कोई नहीं है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर मंत्री ने कहा कि किसी के कहने से कार्रवाई नहीं होती। विवेचना में जो तथ्य और साक्ष्य सामने आते हैं, उसी के आधार पर निर्णय लिया जाता है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए नरेंद्र कश्यप ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में अयोध्या में कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गई थीं, जबकि कांग्रेस ने भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाए और सुप्रीम कोर्ट में राम मंदिर निर्माण का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ऐसे दलों को इस मुद्दे पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की बैठक में दिए गए संदेश पर मंत्री ने कहा कि यह चेतावनी नहीं, बल्कि संगठन को मजबूत करने का सुझाव था। उन्होंने कहा कि भाजपा में सभी कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि टीम भावना के साथ काम करें, ताकि संगठन और मजबूत हो। उन्होंने कहा कि परिवारवाद और गुटबाजी के कारण कई दल सीमित हो गए हैं और भाजपा को उनसे सबक लेते हुए संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखना है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से नितिन नवीन के लखनऊ दौरे में भीड़ को लेकर किए गए ट्वीट पर नरेंद्र कश्यप ने कहा कि वह कोई रैली, रोड शो या जनसभा नहीं थी। भाजपा को कार्यक्रमों के लिए किराये की भीड़ जुटाने की जरूरत नहीं पड़ती, कार्यकर्ता स्वयं पहुंचते हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष की लगातार चुनावी हार से अखिलेश यादव निराश हैं और इसी वजह से ऐसे बयान दे रहे हैं।

# एंबुलेंस की टक्कर से तीन पुलिसकर्मी घायल

**संवाददाता—देवरिया।** सिविल लाइंस रोड स्थित शिव मंदिर तिराहे पर ड्यूटी के दौरान एक तेज रफ्तार एंबुलेंस की टक्कर से तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तीन दिन बाद दारोगा की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने रविवार को एंबुलेंस चालक के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। इस हादसे में पुलिस की चीता बाइक, वायरलेस सेट और एक ई–रिक्शा भी क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना 2 जुलाई की रात करीब 1:10 बजे हुई। कोतवाली क्षेत्र के शिव मंदिर तिराहे के पास चीता मोबाइल पर तैनात आरक्षी सुरेंद्र शर्मा और जितेंद्र यादव, तथा डायल–112 पीआरवी पर तैनात आरक्षी महेंद्र यादव अपनी ड्यूटी पर थे। इसी दौरान बिहार नंबर की एक एंबुलेंस का चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए आया। एंबुलेंस पहले एक ई–रिक्शा से टकराई और फिर सड़क किनारे खड़े पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस की चीता बाइक और वायरलेस सेट भी क्षतिग्रस्त हो गए। आसपास मौजूद लोगों और अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से घायलों को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। वहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए सभी को बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर कर दिया गया।

# बोलेरो की टक्कर से युवक की मौत

**संवाददाता—देवरिया।** महुआडीह थाना क्षेत्र के गोठा रसूलपुर के पास रविवार दोपहर करीब तीन बजे एक सड़क हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब युवक बाल कटवाकर घर लौट रहा था। गंभीर रूप से घायल युवक को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान गोठा रसूलपुर निवासी लाल बाबू यादव (35) पुत्र रामवृक्ष यादव के रूप में हुई है। लाल बाबू मुंबई की एक निजी कंपनी में वेल्डर के पद पर कार्यरत थे और लगभग चार महीने पहले अपने घर आए थे। रविवार को वह स्कूटी से महुआडीह चौराहे पर बाल कटवाने गए थे।

दोपहर करीब तीन बजे घर लौटते समय रामपुर गौनरिया और अमारी गांव के बीच सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लाल बाबू यादव गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने तत्काल उन्हें मेडिकल कॉलेज देवरिया पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महुआडीह थाना पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस बोलेरो चालक की तलाश कर रही है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और बोलेरो चालक की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। युवक की मौत की खबर से परिवार में गहरा शोक है। मृतक की पत्नी अंजना देवी और उनके बच्चे उज्ज्वल व स्वीटी इस घटना से सदमे में हैं।

# बृजभूषण बोले- राष्ट्रपति-पीएम आवास जैसी हो अयोध्या की सुरक्षाः यौन शोषण मामले पर कहा- अगर गलत निकला तो फांसी पर लटकूंगा



**संवाददाता—गोंडा।** पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार सुबह 11.30 बजे मीडिया से बात की। उन्होंने श्री राम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए इसे राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास और संसद की तर्ज पर किए जाने की मांग की।

उन्होंने राम मंदिर चंदा घोटाले के बारे में अपने पुराने बयानों का जिक्र किया। बृजभूषण ने बताया कि अयोध्या में आज भी बैरियर लगे हुए हैं, खासकर रंग महल मंदिर के आगे। उनका आरोप है कि ये बैरियर रंग महल को लेने के इरादे से लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सब किसी के इशारे पर हो रहा था।

बृजभूषण सिंह ने आगे कहा कि अब इस मामले में जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि जब जांच पूरी हो जाएगी, तब वह एक बार फिर इस पर बोलेंगे कि जांच सही हुई है या गलत। उन्होंने यह भी बताया कि वह अयोध्या की हर गली और हर मुद्दे से वाकिफ हैं और पिछले 4–6 साल से प्रशासन से इस बारे में गुहार लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जांच जारी होने के कारण अभी उन्हें इस पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। जांच पूरी हो जाएगी तब मैं फिर बोलूंगा कि जांच सही हुई है कि गलत हुई है, तब मैं बोलूंगा,अभी मेरा बोलना कोई बनता नहीं है।

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था पार्लियामेंट, राष्ट्रपति भवन या पीएम हाउस की तर्ज पर होनी चाहिए। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जैसे पीएम हाउस के सामने की सड़क कभी पूरी तरह बंद नहीं होती, बल्कि वहां सिर्फ तब रूट लगाया जाता है जब प्रधानमंत्री या कोई विदेशी डेलीगेट आने वाला हो। तब सड़क मात्र थोड़ी देर के लिए बंद की जाती है।

उन्होंने सवाल उठाया, 'आप पूरी अयोध्या को क्यों बंद करते हैं? सुरक्षा अवश्य रखिए, लेकिन ये नाजायज बैरियर क्यों लगा रहे हैं? इस संबंध में अभी और क्या बोला जाए, अभी बहुत सी चीजें सामने नहीं आई हैं।

वहीं, यौन शोषण मामले में आने वाले फैसले पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, श्मेरा जजमेंट रिजर्व हो गया है, यानी जो लीगल प्रोसीजर होता है, वह पूरा हो चुका है। मैंने पहले भी कहा था कि अगर यह आरोप सत्य पाया गया, तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगाय मैं आज भी अपनी उस बात पर कायम हूं।

उन्होंने आरोपों पर सवाल उठाते हुए आगे कहा, श्ये श्रीमान लोग न तो घटना का समय बता पा रहे हैं, न साल और न ही तारीख व जगह बता पा रहे हैं। जब सन, तारीख और जगह सब गलत है, तो वारदात भी पूरी तरह गलत है। बाकी अब मामला न्यायपालिका के पास है। जहां तक मैंने सुना है, हमारे अधिवक्ता ने अदालत के सामने पूरी बात मजबूती से रखी है।मुझे न्यायपालिका से पूरी उम्मीद है।

# सरयू नदी में डूबे युवक की मौत पर नया मोड़, मां ने चार दोस्तों पर डुबोकर मारने का आरोप लगाया



**संवाददाता—गोंडा।** जिले के करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र में सरयू नदी में डूबे 17 वर्षीय निशांत तिवारी की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक की मां ने अपने बेटे के चार दोस्तों पर उसे नदी में डुबोकर मार डालने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रविवार शाम करीब 4:30 बजे सीओ अभिषेक घटना स्थल पर पहुंचे और घाट पर मौजूद लोगों से पूछताछ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि पांचों दोस्त एक साथ नहाने गए थे, और इसी दौरान निशांत तिवारी डूब गए। उन्होंने यह भी बताया कि निशांत जिस जगह नहा रहा था, उसके पास कोई और नहीं था, जबकि उसके चार दोस्त थोड़ा आगे थे। निशांत तिवारी बुधवार, 1 जुलाई की देर शाम कटरा घाट पर नहाते समय डूब गए थे। उनका शव अगले दिन, 2 जुलाई को सुबह 11 बजे सरयू नदी से बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की पुष्टि हुई थी। मृतक निशांत की मां निशा तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि अभय दुबे, उत्तम, अमर पांडे और शुभम जायसवाल नामक चार दोस्त उनके बेटे को बाल कटवाने के बहाने घर से ले गए थे। उन्होंने दावा किया कि ये लोग निशांत को सरयू नदी ले गए और उसे डुबोकर मार डाला।

मां की तहरीर के आधार पर करनैलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय और क्षेत्राधिकारी (सीओ) अभिषेक ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने स्थानीय लोगों और साथ में नहाने गए दोस्तों से भी पूछताछ की है। करनैलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया फिलहाल जो निशांत की मां ने आरोप लगाया है वैसा कुछ सामने नहीं आया है फिर अन्य बिंदुओं पर भी जांच जारी है।

# 'बहू–बेटी सम्मेलन' में 600 से ज्यादा महिलाएं पहुंचीं, साइबर अपराध, सरकारी योजनाओं और आत्मरक्षा की दी गई जानकारी



**संवाददाता—श्रावस्ती।** पुलिस ने मिशन शक्ति फेज–5 (द्वितीय चरण) के तहत रविवार को जनपद के पांच स्थानों पर 'बहू–बेटी सम्मेलन' आयोजित किए। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक चले इन कार्यक्रमों में भीषण गर्मी के बावजूद 600 से अधिक महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लिया। सम्मेलनों का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा, अधिकारों, सरकारी योजनाओं और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक बनाना रहा।

समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों और शक्ति मोबाइल टीम ने चौपालों के माध्यम से महिलाओं को एक मंच पर जोड़कर जागरूक किया। कार्यक्रम में महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने, उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उनके संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी गई।

सम्मेलनों में आशा बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, गृहिणियां, विधवा एवं तलाकशुदा महिलाएं और किशोरियां बड़ी संख्या में शामिल हुईं। उन्हें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना और रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराध, घरेलू हिंसा, लैंगिक उत्पीड़न और आपात स्थितियों से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महिलाओं को 1090, 181, 112, 108, 1098, 102, 1076 और 1930 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता भी बताई गई।

इसके अलावा साइबर हेल्प डेस्क, यूपीकॉप और सीईआईआर ऐप के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई तथा जागरूकता संबंधी पंपलेट भी वितरित किए गए।

महिला पुलिसकर्मियों ने किशोरियों को बाल विवाह, दहेज प्रथा, गुड टच–बैड टच और साइबर अपराध जैसे संवेदनशील विषयों पर जागरूक किया। साथ ही उन्हें आत्मरक्षा के आसान तरीके सिखाए और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया।

श्रावस्ती पुलिस के अनुसार, मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं में अधिकारों के प्रति जागरूकता, आत्मविश्वास और निर्भीकता का भाव विकसित करना भी है, ताकि वे हर परिस्थिति में अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।

# आशुतोष सिंह अध्यक्ष व लाल मोहम्मद मंत्री चुने गये

**संवाददाता—गोण्डा।** उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन निविदा संविदा कर्मी संगठन का चुनाव रविवार को पाण्डेयपुर बाजार में सम्पन्न हुआ। आशुतोष सिंह जिला अध्यक्ष व लाल मोहम्मद को जिला मंत्री चुना गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष खालिद और मयवांचल अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव की देख रेख में चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई। सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गये, विनोद वर्मा, राजेश दूबे और अमित श्रीवास्तव को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। राजेन्द्र सिंह को संगठन मन्त्री की जिम्मेदारी दी गई है। साथ में जोनल संगठन का भी चुनाव हुआ। अतुल सिंह को जोनल अध्यक्ष, महेश शुक्ल को जोनल मन्त्री, अंकित तिवारी को जोनल उपाध्यक्ष चुना गया है।

## राम मंदिर चढ़ावा चोरी: जेल में पांच आरोपियों से पूछताछ, आरोपी अविनाश शुक्ला ने उगले राज

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान गबन मामले की जांच के लिए रविवार को विवेचक आशुतोष तिवारी एंटी करप्शन कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद जिला कारागार पहुंचे। जेल में बंद पांच आरोपियों से पूछताछ शुरू की। पूछताछ में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस कस्टडी में आरोपी अविनाश शुक्ला ने पूछताछ के दौरान करीब 19 लाख रुपये की अतिरिक्त रकम खा खुलासा किया है। अब जांच एजेंसियां इस रकम के संबंध में मिले इनपुट का सत्यापन कर रही हैं। साथ ही बरामदगी की दिशा में कार्रवाई आगे बढ़ा रही हैं। सूत्रों के अनुसार, मामले में आरोपी और उनके परिजनों के बैंक खातों को भी खंगाला जा रहा है। इन खातों में हुए संदिग्ध लेन-देन का सत्यापन कराया जा रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि चोरी की रकम बैंकिंग सिस्टम के जरिये कहीं ट्रांसफर या खपाई तो नहीं गई।

बताया जा रहा है कि जांच एजेंसियां आरोपी से पूछताछ में मिली जानकारी का बैंक रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों से मिलान कर रही हैं। जिन-जिन खातों में संदिग्ध ट्रांजैक्शन मिले हैं, उनकी भी गहन पड़ताल की जा रही है।

इससे पहले विवेचक ने आरोपियों से पूछताछ की अनुमति के लिए शनिवार को न्यायालय में आवेदन किया था। इसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद वह जिला जेल पहुंचे। पूछताछ के दौरान दान की रकम के गबन, धन के लेन-देन, रकम के बंटवारे और अन्य संदिग्ध पहलुओं से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। जांच टीम आरोपियों के बयानों का मिलान अब तक एकत्र साक्ष्यों और दस्तावेजों से भी कर रही है।

## राम मंदिर चढ़ावा चोरीः कोई मैकेनिक तो कोई पूर्व बैंककर्मी

संवाददाता—अयोध्या। राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले में पुलिस की जांच लगातार नए खुलासे कर रही है। इस मामले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक प्राथमिक विद्यालय का शिक्षक, पूर्व कार मैकेनिक, रिटायर बैंक कर्मचारी, ट्रस्ट पदाधिकारी के करीबी सहयोगी और आउटसोर्सिंग एजेंसी के जरिए नियुक्त अन्य संविदाकर्मी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, अधिकांश आरोपी मंदिर के दानपात्रों से निकले चढ़ावे की गिनती और मिलान (कैश रिकसिलिएशन) के काम में लगे थे। आरोप है कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का दुरुपयोग कर लंबे समय तक दान की रकम का गबन किया. पुलिस अब सभी आरोपियों की संपत्ति, बैंक लेनदेन और उनकी भूमिका की जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में अविनाश शुक्ला नामक एक प्राथमिक विद्यालय शिक्षक भी शामिल है. वह चढ़ावे की गिनती के दौरान कैश रिकसिलिएशन का काम देखता था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उससे जुड़े ठिकानों से 20 लाख रुपये से अधिक नकदी, विदेशी मुद्रा और आभूषण बरामद हुए हैं, जो इस मामले में अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी है। पूछताछ में अविनाश ने कथित तौर पर बताया कि सीसीटीवी के ब्लाइंड स्पॉट का फायदा उठाकर नोटों को गिनती केंद्र से बाहर निकाला जाता था और कुछ समय के लिए उन्हें वॉशरूम में छिपा दिया जाता था। बताया जा रहा है कि वह कई वर्षों से अयोध्या के एक योग केंद्र में रह रहा था। दूसरे आरोपी अनुकल्प मिश्रा को आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से दान गिनने के काम पर लगाया गया था. उसकी मासिक आय लगभग 15 हजार रुपये बताई गई है, लेकिन पुलिस के मुताबिक उसने करीब 65 लाख रुपये का मकान, गांव में फार्महाउस, एक महंगी मोटरसाइकिल और एक एसयूवी बुक कराई थी. पुलिस इन संपत्तियों की जांच कर रही है. उसके ठिकानों से करीब 16.80 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं. पुलिस उसके ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा से कथित पारिवारिक संबंध और सह–आरोपी लवकुश मिश्रा से करीबी रिश्ते की भी जांच कर रही है। लवकुश मिश्रा पहले कार मैकेनिक था, बाद में आउटसोर्सिंग एजेंसी के जरिए दान गिनने के काम में लगाया गया. पुलिस का आरोप है कि वह भी कथित गबन में शामिल था। उसके ठिकानों से लगभग 14.25 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। इसी तरह रामशंकर मिश्रा और करुणेश पांडेय पर भी दान की राशि में गड़बड़ी करने का आरोप है. पुलिस के अनुसार, रामशंकर मिश्रा से जुड़े ठिकानों से करीब 7.30 लाख रुपये, जबकि करुणेश पांडेय से जुड़े स्थानों से 18 लाख रुपये से अधिक नकदी बरामद की गई है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार आरोपियों से अयोध्या जेल में करीब पांच घंटे तक पूछताछ की गई। जांच अधिकारी सीओ आशुतोष त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हाई सिक्योरिटी बैरकों में बंद लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, करुणेश पांडे, रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और मनीष यादव से अलग–अलग पूछताछ की. सूत्रों के अनुसार, सभी आरोपियों से मामले के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी जुटाई गई. पूछताछ पूरी होने के बाद पुलिस टीम जेल से बाहर निकल गई। मामले में रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव को कथित साजिश का प्रमुख किरदार माना जा रहा है। वह पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का निजी ड्राइवर था और बाद में मंदिर प्रशासन व वीआईपी प्रबंधन से जुड़ गया। पुलिस का आरोप है कि उसे दान गिनने वाले कक्ष और दानपात्रों की चाबियों तक अनधिकृत पहुंच थी, जिससे कथित हेराफेरी संभव हुई। उसके व्हाट्सएप चौट की भी जांच की जा रही है। टिन्नू यादव के भतीजे मनीष कुमार यादव पर भी दान गिनने के दौरान कथित गड़बड़ी में शामिल होने का आरोप है। पुलिस उसके वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में सुभाष चंद्र श्रीवास्तव भी शामिल हैं, जो रिटायर बैंक कर्मचारी हैं। उन्हें तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दान गिनने की निगरानी की जिम्मेदारी दी थी. पुलिस का आरोप है कि उन्होंने अनियमितताओं को रोकने में विफल रहने के साथ–साथ कथित गबन में भी भूमिका निभाई। पुलिस अब सभी आरोपियों के बैंक खातों, संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जांच कर रही है। मामले की जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## युवक की खुदकुशी पर पत्नी की पिटाई बचाने पहुंची पुलिस पर भी हमला

संवाददाता—गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र के ककरहिया गांव में रविवार को युवक की आत्महत्या के बाद माहौल हिंसक हो गया। परिजनों ने आत्महत्या के लिए पत्नी को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। महिला को बचाने पहुंची पुलिस टीम पर भी पथराव कर दिया। हमले में पुलिस वाहन के शीशे टूट गए और दो सिपाही घायल हो गए। पुलिस ने किसी तरह हालात पर काबू पाते हुए महिला को भीड़ से सुरक्षित निकालकर थाने पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक, रविवार को यूपी–112 पर सूचना मिली कि ककरहिया गांव निवासी पंकज निषाद पुत्र ब्रह्मदेव निषाद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

सूचना मिलते ही पीआरवी और पिपराइच थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि पंकज ने पत्नी प्रतिमा के कारण आत्मघाती कदम उठाया। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने प्रतिमा और उसके मायके से आई उसकी बहन के साथ मारपीट शुरू कर दी। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने हस्तक्षेप कर दोनों महिलाओं को परिजनों के चंगुल से छुड़ाया और प्रतिमा को सरकारी वाहन में बैठाकर थाने भेजने लगी। इसी दौरान भीड़ उग्र हो गई और पुलिस टीम पर ईंट–पत्थर बरसाने लगी। पथराव में पुलिस वाहन के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि दो कांस्टेबल घायल हो गए। अतिरिक्त पुलिस बल की मदद से स्थिति को नियंत्रित किया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल पुलिसकर्मियों का उपचार कराया गया। एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि आत्महत्या के कारणों की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस पर पथराव, सरकारी कार्य में बाधा डालने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में भी दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

### अदालती नोटिस

सम्मन बरामद इनकिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 100/2026
धारा 144 उ0प्र0रा0स0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर बस्ती जिला–बस्ती
तेज प्रकाश आदि
बनाम
उमाशंकर आदि

1. उमाशंकर 2. शिवशंकर 3. कन्हैया लाल पुत्रगण परमेश्वर 4. श्रीमती प्रभावती पत्नी स्व0 परमेश्वर प्रसाद 5. रामेश्वर प्रसाद पुत्र अलगू साकिनान मौजा फेरसम तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग 6. श्रीमती सुनीता पत्नी रामदयाल 7. रामजनम पुत्र छोटेलाल साकिनान मौजा बनरही जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग 8. संजय कुमार 9. राजकुमार पुत्रगण ध्रुवचन्द्र 10. इन्द्रावती पत्नी ध्रुवचन्द्र साकिनान मौजा परसोहिया तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग 11. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी सर्वजीत निवासी ग्राम फेरसम तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 12. जमुना प्रसाद पुत्र हनुमान निवासी बेड़ली तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण चतुर्थ वर्ग 13. रामसुनिया पत्नी भगवानदास निवासी अईलाकला तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया हाल मुकाम फेरसम तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादी पंचम वर्ग 14. बाबूराम पुत्र किशोरे साकिनान अईलाकला तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया हाल मुकाम फेरसम तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग 15. दिनेश चन्द्र 16. मनोज कुमार 17. मनीष कुमार पुत्रगण रामकुमार साकिनान मौजा फेरसम तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग 18. धर्म प्रकाश पुत्र केशव प्रसाद 19. ओम प्रकाश पुत्र रामनरेश साकिनान मौजा जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण सप्तम वर्ग 20. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती 21. नगर पंचायत भानपुर जरिये अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती–प्रतिवादीगण अष्टम वर्ग

तारीख पेशी 08–07–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

## मालखाने से 427 ग्राम सोना गबन करने के आरोपी हेड मोहर्रिर राधेश्याम गुप्ता निलंबित

संवाददाता—संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद के मालखाने में रखे 427 ग्राम सोने के गबन के आरोपित हेड मोहर्रिर राधेश्याम गुप्ता को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई बहराइच के पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने की है। वर्तमान में उसकी तैनाती बहराइच के कोतवाली देहात थाने में थी। चार दिन पहले संतकबीर नगर के पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने खलीलाबाद कोतवाली में दर्ज मुकदमे की जानकारी देते हुए बहराइच के एसपी को पत्र भेजकर कार्रवाई की अपेक्षा की थी। इसी क्रम में देर रात आरोपित हेड मोहर्रिर को निलंबित कर दिया गया। वहीं, उसकी गिरफ्तारी के लिए संतकबीर नगर और बहराइच की एसओजी टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। मालखाने से 427 ग्राम सोना, 49 हजार 518 रुपये नकद तथा 14 नेपाली नोट गायब होने का मामला सामने आने के बाद जिले के सभी थानों के मालखानों की जांच तेज कर दी गई है। विशेष रूप से उन थानों में मुकदमाती सामानों का सत्यापन कराया जा रहा है, जहां गबन के मुकदमे में नामजद राधेश्याम गुप्ता की तैनाती रह चुकी है। वर्ष 2021 से 2024 के बीच वह मेंहदावल, महुली, धनघटा और कोतवाली खलीलाबाद में तैनात रहा है। ऐसे में इन थानों के मालखानों में रखे मुकदमाती सामानों का मिलान प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है।

पुलिस की जांच अब केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। जांच टीमों को आरोपित की चल–अचल संपत्तियों का ब्योरा जुटाने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। प्रारंभिक जांच में गोरखपुर के पादरी बाजार और पुरानी बस्ती क्षेत्र में उसके मकान होने की जानकारी मिली है। आय से अधिक संपत्ति के संकेत मिलने पर पुलिस बीएनएस की धारा 107 के तहत संपत्तियों के जब्तीकरण की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है।

## आनंद हत्याकांडः पीड़ित परिवार से मिला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता—संतकबीरनगर। बखिरा थाना क्षेत्र के बभनी गांव में आनंद कुमार हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलने रविवार दोपहर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। फरेंदा विधायक वीरेंद्र चौधरी और कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और हर स्तर पर न्याय दिलाने का भरोसा दिया। विधायक वीरेंद्र चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को भेजी जाएगी। यदि जरूरत पड़ी तो सड़क से लेकर विधानसभा सदन तक आंदोलन कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के साथ–साथ हरसंभव कानूनी सहयोग उपलब्ध कराने का भी प्रयास करेगी।

परिजनों ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि जिला प्रशासन ने परिवार के एक सदस्य को नौकरी और भूमि आवंटित करने का आश्वासन दिया है। इस पर विधायक ने कहा कि कांग्रेस इन घोषणाओं के क्रियान्वयन पर लगातार नजर रखेगी। यदि तय समय में कार्रवाई नहीं हुई तो जिला प्रशासन से वार्ता की जाएगी और आगामी विधानसभा सत्र में भी यह मुद्दा उठाया जाएगा।

विधायक वीरेंद्र चौधरी ने घटना की निंदा करते हुए प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय ने भी कानूनी प्रक्रिया में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद, बृजेश कुमार आर्य, डॉ. अखिलेश शर्मा, के.सी. भारती, शांति देवी, पंकज राव, सुभाष चंद्र दास, अहमद जमाल, मोइन अंसारी, रीना देवी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे। इसके अलावा सुनील पांडेय, नीलम चतुर्वेदी, निसार अहमद, मोहम्मद परवेज अख्तर, राजेंद्र चतुर्वेदी, अमित कुमार सिंह, मोहम्मद रशीद, देवदत्त मणि त्रिपाठी, विजय पांडेय, सत्या त्रिपाठी, सचिन कुमार, शैलेन्द्र नाथ पांडेय और महेश कुमार समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात कर न्याय की मांग का समर्थन किया।

## पुलिस ने गैंग के 4 ठग गिरफ्तार किए

संवाददाता—संतकबीरनगर। धनघटा पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने शादी का झांसा देकर लोगों से ठगी और झपटमारी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से झपटे गए 30 हजार रुपए बरामद किए हैं। आरोपियों को बेलरघाट मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली निवासी कामता प्रसाद सिंह, जो गरीब लड़के–लड़कियों की शादी कराने का कार्य करते हैं, ने 4 जुलाई 2026 को धनघटा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके पूर्व परिचित आनंद उर्फ मुकेश पाल ने एक लड़की का रिश्ता दिखाने की बात कही थी। इसके बाद 2 जुलाई को वह उमरिया बाजार पहुंचे, जहां आनंद ने उनकी मुलाकात अनामिका निषाद और उसकी कथित बहन विमल से कराई। आरोप है कि इसके बाद आनंद घर के अन्य सदस्यों से

मिलवाने का बहाना बनाकर कामता प्रसाद को औराडाड नदी के किनारे सुनसान बंधे पर ले गया। वहां पहले से गगन यादव मौजूद था। बातचीत के दौरान चारों आरोपियों ने मिलकर उनके हाथ में रखा बैग झपट लिया, जिसमें 30 हजार रुपए थे, और मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद पीड़ित ने तत्काल डायल–112 पर सूचना दी, लेकिन आरोपी हाथ नहीं लगे। इसके बाद 4 जुलाई को थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आनंद उर्फ मुकेश पाल (झांसी), गगन यादव (गोरखपुर), विमल (गोरखपुर) और अनामिका निषाद (गोरखपुर) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे चारों मिलकर शादी का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। घर दिखाने या शादी की बातचीत करने के बहाने उन्हें सुनसान जगह पर ले जाकर नकदी से भरा बैग झपट लेते थे।

पुलिस के अनुसार, आरोपी आनंद उर्फ मुकेश पाल गिरोह का सरगना है। वह ग्राहकों को झांसे में लेकर बुलाता था, जबकि अन्य सदस्य वारदात को अंजाम देते थे। लूट की रकम सभी आरोपी आपस में बांट लेते थे और उसी से अपना व परिवार का खर्च चलाते थे। पुलिस ने चारों आरोपियों के कब्जे से 30 हजार रुपए बरामद कर उन्हें संबंधित धाराओं में गिरफ्तार किया।

### अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय हर्रैया बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–636/2023
छत्तर आदि
बनाम
श्रीमती सुशीला आदि

1. श्रीमती सुशीला उम्र लगभग 42 वर्ष पत्नी रामसूरत 2. राम सूरत उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र मुनेसर 3. गोलू उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र मुनेसर साकिनान मौजा डमरुआ जंगल टोला सहाऊतपुर तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग 4. सूर्यदेव उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र रामअधार साकिन डमरुआ जंगल टोला सहाऊतपुर तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 07–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

## बाइक अनियंत्रित होकर बस में पीछे से टकराई, दो युवकों की मौत

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या–लखनऊ हाईवे पर भेलसर के पास रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक कानपुर डिपो की रोडवेज बस से टकरा गई थी। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। राहगीरों के अनुसार, कानपुर डिपो की बस अयोध्या से लखनऊ जा रही थी। भेलसर के पास यात्रियों को उतारने के लिए बस चालक ने रफ्तार धीमी कर ब्रेक लगाया। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज गति की बाइक अनियंत्रित होकर बस के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक उछलकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। युवकों ने हेलमेट भी नहीं पहना था। दुर्घटना होते ही मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और राहगीरों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

### अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय हर्रैया बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–1182/2018
यज्ञ नरायन आदि
बनाम
मुन्नीलाल आदि

1. श्रीमती अतरवास पत्नी अमर सिंह 2. राजेश कुमार पुत्र वीरेन्द्र बहादुर सिंह 3. सुरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र शिवमंगल सिंह 4. पृथ्वीराज सिंह पुत्र दिलीप कुमार सिंह 5. माया देवी पत्नी दिलीप कुमार सिंह साकिनान मौजा दयलापुर तप्पा खुरियर परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

## विधायक ने चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्या

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गंगवार में समाजवादी पार्टी की विधायक सैय्यदा खातून की अगुवाई में रविवार को एक जन चौपाल का आयोजन किया गया। यह चौपाल सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर सात दिवसीय वृक्षारोपण अभियान के तहत आयोजित की गई थी। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुना गया।

चौपाल को संबोधित करते हुए विधायक सैय्यदा खातून ने अखिलेश यादव के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी वर्गों के हित की बात करती है। विधायक ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस और बिजली के दामों में वृद्धि से आम जनता प्रभावित हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है, जिससे नौजवान, आम आदमी और किसान परेशान हैं। सैय्यदा खातून ने निजीकरण की आलोचना करते हुए कहा कि सरकारी संपत्तियों को पूंजीपतियों को बेचा जा रहा है, जिससे रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता ने इस सरकार को हटाने का मन बना लिया है और 2027 में समाजवादी सरकार बनने पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए श्प्राण वायु पीडीएप पेड़ लगाए गए। साथ ही, सामाजिक न्याय, भाईचारे और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का भी संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता घिसियावन यादव, बच्चा राम बौद्ध, इकबाल मलिक, बालकृष्ण ओझा, मोहम्मद हमजा, मौलाना मन्नान, पप्पू मलिक, विजय यादव, सुप्रकाश उपाध्याय, अहमद, सौरभ पांडेय, पिंटू पांडेय, इरफान मिर्जा, शमीम खान, राजू मौलाना, मौज अहमद, नजीब मलिक, मतीबुल्लाह, अमन गौतम, आकाश शर्मा और फुरकान अब्दुल बयान सहित कई अन्य सम्मानित साथी और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

## सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मिठाई लाल पुत्र धनीराम, निवासी ग्राम– आल्हेकुइयां, पोस्ट– धौरहरा, जनपद– बस्ती का निवासी हूँ। मेरे पुत्र का नाम पूर्व में आर.के.चौधरी(R. K. Chaudhary) था, जिसे बदलकर अंशदीप चौधरी (Anshdeep Chaudhary) कर दिया गया है। अतः भविष्य में मेरे पुत्र को अंशदीप चौधरी के नाम से ही जाना, पहचाना एवं सभी अभिलेखों/दस्तावेजों (जैसे आधार कार्ड आदि) में अंकित किया जाए।

## विधायक ने वन महोत्सव पर किए पौधे रोपित

संवाददाता—संत कबीरनगर। बेलहर स्थित ग्राम पंचायत कैथवलिया के जूनियर हाईस्कूल परिसर में रविवार को वन महोत्सव पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मेहदावल विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में हरित शंकरी के अंतर्गत पीपल, बरगद और पाकड़ के पौधे रोपे। उन्होंने इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। विधायक ने पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया और ग्रामीणों तथा विद्यार्थियों को पौधों का वितरण भी किया। वन क्षेत्रिय अधिकारी टीएन त्रिपाठी ने पौधा रोपण और उससे होने वाले लाभ पर डाला प्रकाश। इस पौधरोपण कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी इसमें भाग लिया। क्षेत्रीय वन अधिकारी टी. एन. त्रिपाठी , मनीष, वरुण, वन दरोगा उपेंद्र श्रीवास्तव, फॉरेस्ट गार्ड संतोष चौधरी, गोविंद त्रिपाठी, महेश और हरिश्चंद्र सहित अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com